एआई मिथॉस से बढ़ा जोखिम : वित्त मंत्री

एडवांस एआई से पुराने सिस्टम की खामियां उजागर

हैकर्स के हाथ लगा तो बढ़ सकते हैं साइबर हमले

नई दिल्ली, 24 अप्रैल भारत के बैंकिंग सिस्टम पर एक नए और बेहद खतरनाक साइबर खतरे के संकेत मिले हैं. इस खतरे की जड़ में एक अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल 'मिथॉस' है, जिसे लेकर अब सरकार और वित्तीय संस्थान गंभीर हो गए हैं.

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के प्रमुख बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ एक हाई-लेवल बैठक की, जिसमें इस उभरते खतरे पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में बैंकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अपने आईटी सिस्टम को तुरंत मजबूत करें और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें. वित्त मंत्रालय ने भी माना है कि यह खतरा पारंपरिक साइबर हमलों से अलग और कहीं अधिक जटिल है. ऐसे में बैंकों के बीच बेहतर समन्वय और रियल-टाइम सूचना साझा करने की जरूरत बताई गई है, ताकि किसी भी संभावित हमले को समय रहते रोका जा सके. 'मिथॉस' एक अत्याधुनिक एआई मॉडल है, जिसे अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने विकसित किया है. कंपनी का दावा है कि यह मॉडल ऑपरेटिंग सिस्टम और इंटरनेट ब्राउजर्स में मौजूद दशकों पुरानी और अब तक अनदेखी कमजोरियों को पहचान सकता है.

> भारत सरकार अब इस चुनौती से निपटने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करने की दिशा में काम कर रही है. इसके तहत एक ऐसा सिस्टम विकसित करने की योजना है, जो साइबर हमलों के संकेतों की तुरंत पहचान कर सके और उनके खिलाफ तेजी से कार्रवाई कर सके. साथ ही, बैंकों और एजेंसियों के बीच एक मजबूत इंटेलिजेंस शेयरिंग नेटवर्क बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है. आने वाले समय में एआई तकनीक जहां एक ओर विकास के नए अवसर लेकर आएगी, वहीं दूसरी ओर इससे जुड़े खतरे भी तेजी से बढ़ेंगे. ऐसे में जरूरी है कि तकनीक के साथ-साथ सुरक्षा उपायों को भी उतनी ही तेजी से मजबूत किया जाए.

भारत में पाम ऑयल संकट करीब

नई दिल्ली, 24 अप्रैल. भारत के रसोई और दैनिक उपयोग के सामान पर बड़ा संकट मंडराने लगा है. दुनिया के सबसे बड़े पाम ऑयल उत्पादक इंडोनेशिया ने अब अपने उत्पादन का बड़ा हिस्सा खुद डीजल बनाने के लिए रखने का फैसला किया है. भारत अपनी पाम ऑयल जरूरत का लगभग 90% हिस्सा इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है. देश में इस्तेमाल होने वाले कुल खाने के तेल का करीब 40% पाम ऑयल है, जो सस्ता होने और लंबे समय तक खराब न होने के कारण घरों और खाद्य उद्योग में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है.

पाम ऑयल सिर्फ खाना पकाने में ही नहीं, बल्कि बिस्किट, कुकीज़, इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, डोनट, फ्रेंच फ्राइज़ जैसी तैयार खाने की चीज़ों में भी इस्तेमाल होता है.

आरबीआई : अर्थव्यवस्था पर मिला-जुला असर

आपूर्ति और मांग दोनों पर दबाव के संकेत, अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता

कुछ क्षेत्रों में तेजी, कुछ में मंदी के साफ संकेत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था फिलहाल मिश्रित संकेत दे रही है.

कुछ क्षेत्रों में मांग मजबूत बनी हुई है, जबकि कुछ सेक्टरों में कमजोरी और धीमी रफ्तार के संकेत मिल रहे हैं. साथ ही, वैश्विक सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव का असर भारत की आर्थिक गतिविधियों पर भी दिखने लगा है.

आरबीआई ने अपनी 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' रिपोर्ट में कहा है कि मार्च महीने के दौरान उच्च-आवृत्ति वाले आर्थिक संकेतकों में अलग-अलग रुझान देखने को मिले. एक ओर जहां मांग की स्थिति स्थिर और मजबूत रही, वहीं दूसरी ओर आर्थिक गति में कुछ क्षेत्रों में सुस्ती के संकेत भी मिले हैं. बैंक ने यह भी कहा कि इसके बावजूद देश की समग्र आर्थिक स्थिति स्थिर बनी हुई है.

आरबीआई के अनुसार, उपभोक्ता विश्वास में थोड़ी गिरावट और कारोबारी उम्मीदों में नरमी देखने को मिली है. साथ ही लागत दबाव में बढ़ोतरी ने भी कंपनियों की नई ऑर्डर बुक और उत्पादन की गति को प्रभावित किया है.

हालांकि यह असर अभी सीमित क्षेत्रों तक ही दिखाई दे रहा है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक सप्लाई चेन में बाधाएं बढ़ने की आशंका है.

> कुछ संकेत भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को भी दर्शाते हैं. ऑटोमोबाइल बिक्री और वाहन पंजीकरण में मजबूत वृद्धि देखी गई है. खासतौर पर जीएसटी में राहत का असर अभी भी बाजार में दिख रहा है, जिससे उपभोक्ता खर्च को सपोर्ट मिला है. इसके अलावा ई-वे बिल जनरेशन, पेट्रोल और डीजल की खपत जैसे लॉजिस्टिक संकेतक भी मजबूत बने हुए हैं.

नींद जीवन के लिए अनिवार्य

रजोनिवृत्ति में मानसिक स्वास्थ्य पर विशेषज्ञों का जोर

नागपुर, 24 अप्रैल नागपुर में मेनोपॉज़ सोसायटी नागपुर और नारची नागपुर चैप्टर द्वारा रजोनिवृत्ति के दौरान मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने रजोनिवृत्ति के दौरान महिलाओं में होने वाले मानसिक और शारीरिक बदलावों पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि नींद जीवन के लिए उतनी ही जरूरी है जितनी भोजन. उन्होंने अनिद्रा, अवसाद, डिमेंशिया और हार्मोनल असंतुलन से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर जोर दिया.

कार्यक्रम का उद्घाटन मेनोपॉज़ सोसायटी नागपुर की अध्यक्ष डॉ. प्रगति खलातकर ने किया, जबकि डॉ. अलका मुखर्जी ने अतिथियों का स्वागत किया.

प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. कनक गिल्लुरकर शर्मा ने अवसाद पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हर तीन में से एक पेरिमेनोपॉज़ल महिला अवसाद से प्रभावित होती है, लेकिन अधिकांश मामलों में इसका समय पर निदान नहीं हो पाता क्योंकि इसके लक्षणों को सामान्य हार्मोनल बदलाव मान लिया जाता है. उन्होंने कहा कि उपचार केवल लक्षणों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि महिला के संपूर्ण स्वास्थ्य को पुनः स्थापित करने पर केंद्रित होना चाहिए.

> डॉ. प्रगति खलातकर ने अनिद्रा पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि नींद शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक है. यह ऊर्जा पुनः प्राप्त करने, शरीर से विषैले तत्वों को निकालने, प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाने और स्मृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. उन्होंने बताया कि नींद की कमी से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, डिमेंशिया, अल्जाइमर, क्रॉनिक थकान और अवसाद जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं. उन्होंने 'अर्बन इंसोम्निया' की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला, जिसके अनुसार मोबाइल और लैपटॉप से निकलने वाली ब्लू लाइट शरीर की जैविक घड़ी (सर्कैडियन रिद्म) को प्रभावित करती है.

उभरते लीडर्स को मिलेगा 'टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया' का मंच

रिलायंस के साथ साझेदारी में 100 प्रतिभाशाली युवा चुने जाएंगे, मुंबई में होगा भव्य गाला आयोजन

मुंबई, 24 अप्रैल वैश्विक मीडिया ब्रांड टाइम ने भारत में पहली बार 'टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया' की शुरुआत करने की घोषणा की है. यह कार्यक्रम रिलायंस समूह के साथ साझेदारी में आयोजित किया जाएगा. इस पहल के तहत भारत और भारतीय मूल के 100 उभरते नेतृत्वकर्ताओं को चुना जाएगा, जो आने वाले समय में देश और दुनिया को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं.

इस कार्यक्रम की घोषणा न्यूयॉर्क में आयोजित टाइम 100 गाला के दौरान की गई. इसमें टाइम की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेसिका सिबली और रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष नीता मुकेश अंबानी उपस्थित रहीं.

उभरती प्रतिभाओं को वैश्विक मंच- 'टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया' सूची का चयन टाइम के संपादकीय दल द्वारा किया जाएगा. इसमें कला, विज्ञान, खेल और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े

उभरते प्रतिभाशाली व्यक्तियों को शामिल किया जाएगा. यह सूची ऑनलाइन जारी की जाएगी और इसका भव्य उत्सव दिसंबर 2026 में मुंबई स्थित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित किया जाएगा.

जेसिका सिबली का बयान- टाइम की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेसिका सिबली ने कहा, 'हम पहली बार टाइम 100 नेक्स्ट को भारत में लाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं. यह पहल अगली पीढ़ी के नेतृत्वकर्ताओं को पहचान देने और उन्हें एक वैश्विक मंच प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है. इसके लिए हम रिलायंस के आभारी हैं.'

वैश्विक विस्तार का नया अध्याय- टाइम के अनुसार, 'टाइम 100 नेक्स्ट' उन लोगों को सम्मानित करने वाला मंच है जो आने वाले दशकों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. भारत में इसका विस्तार इस वैश्विक पहल का पहला अंतरराष्ट्रीय संस्करण है.

नीता अंबानी का बयान

नीता मुकेश अंबानी ने कहा, 'टाइम के साथ यह साझेदारी हमारे लिए बेहद खास है. इसके जरिए हम पहली बार टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया को मुंबई लाने जा रहे हैं. हमारा प्रयास हमेशा से यही रहा है कि दुनिया की श्रेष्ठता भारत आए और भारत की श्रेष्ठ प्रतिभाएं दुनिया तक पहुंचें.'

आईटी सेक्टर में भारी बिकवाली सेंसेक्स एक हजार अंक लुढ़का

मुंबई, 24 अप्रैल घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को आईटी सेक्टर की कंपनियों में तेज बिकवाली देखी गयी जिससे सकल निवेश धारणा प्रभावित हुई और बीएसई का सेंसेक्स एक हजार अंक टूट गया.

सेंसेक्स सुबह 180 अंक नीचे खुला और एक समय 1,260 अंक गिर गया था. अंत में यह 999.79 अंक (1.29 प्रतिशत) की गिरावट में 76,664.21 अंक पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में सबसे ज्यादा नुकासान उठाने वाली चारों कंपनियां आईटी सेक्टर से हैं. इंफोसिस का शेयर सात प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया. एचसीएल टेक्नोलॉजीज में तकरीबन छह प्रतिशत, टीसीएस में पौने पांच प्रतिशत और टेक महिंद्रा में चार प्रतिशत के आसपास गिरावट रही.

आईटी कंपनियों में गिरावट की मुख्य वजह निकट भविष्य के परिदृश्य को लेकर है. इंफोसिस के वित्तीय परिणामों में बताया गया है कि मौजूदा वित्त वर्ष में उसकी राजस्व वृद्धि दर बेहद धीमी रह सकती है. हालांकि पिछली तिमाही का उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 275.10 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे 23,897.95 अंक पर बंद हुआ.

विदेशी मुद्रा भंडार 2.362 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई, 24 अप्रैल देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.362 अरब डॉलर बढ़कर पांच सप्ताह के उच्चतम स्तर 703.308 अरब डॉलर पर पहुंच गया. विदेशी मुद्रा का देश का भंडार लगातार तीसरे सप्ताह बढ़ा है. गत 10 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 3.825 अरब डॉलर बढ़कर 700.946 अरब डॉलर पर रहा था. रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 1.481 अरब डॉलर की वृद्धि हुई.

भारत के सोलर निर्यात पर 123 प्रतिशत शुल्क लगाया

नई दिल्ली, 24 अप्रैल वैश्विक तनाव और व्यापारिक खींचतान के बीच भारत के लिए अमेरिका से एक और झटका देने वाली खबर सामने आई है. अमेरिकी प्रशासन ने भारत से आयात होने वाले सोलर उत्पादों पर 123.04% का भारी-भरकम एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने का ऐलान किया है.

इस फैसले ने भारतीय सौर ऊर्जा उद्योग और निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है. खासतौर पर तब, जब भारत 'मेक इन इंडिया' के तहत सोलर मैन्युफैक्चरिंग को तेजी से बढ़ावा दे रहा है. यह कार्रवाई अमेरिकी कंपनियों के एक समूह 'एलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड' की शिकायत के बाद की गई है. इस समूह का आरोप था कि भारत, इंडोनेशिया और लाओस की कंपनियां अमेरिकी बाजार में अपने सोलर प्रोडक्ट्स को लागत से कम कीमत पर बेच रही हैं, जिससे स्थानीय उद्योग को नुकसान हो रहा है.

दिव्य दक्षिण यात्रा का शुभारंभ

नागपुर, 24 अप्रैल. भारतीय रेलवे कैटरिंग एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा 11 रात / 12 दिन की विशेष 'दिव्य दक्षिण यात्रा' का शुभारंभ किया गया है, जो भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से संचालित होगी.

यह विशेष रूप से तैयार किया गया टूर पैकेज यात्रियों को दक्षिण भारत की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को अनुभव करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है.

यह यात्रा नागपुर से प्रारंभ होकर हंपी, मैसूर, कोयंबटूर, तिरुवन्नामलाई, वेल्लोर, तिरुपति तथा मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जैसे प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को कवर करेगी. इस यात्रा का प्रारंभिक पैकेज मूल्य 21,690/- प्रति व्यक्ति रखा गया है.

श्री गौरव झा, ग्रुप जनरल मैनेजर, आईआरसीटीसी वेस्ट ज़ोन, मुंबई ने बताया कि यह विशेष एसी/नॉन-एसी ट्रेन यात्रियों को एक सहज और व्यवस्थित तीर्थ यात्रा अनुभव प्रदान करेगी, जिसमें प्रमुख धार्मिक स्थलों का समावेश किया गया है.

पैकेज की प्रमुख विशेषताएं

- 2एसी, 3एसी एवं स्लीपर कोच में आरामदायक रेल यात्रा
- बजट होटलों में ठहरने की सुविधा (डबल/ट्रिपल/क्वाड शेयरिंग)
- संपूर्ण यात्रा के दौरान शाकाहारी भोजन
- एसी एवं नॉन-एसी वाहनों से ट्रांसफर एवं दर्शनीय स्थल भ्रमण
- व्यापक यात्रा बीमा
- यात्रा के सुचारू संचालन हेतु समर्पित आईआरसीटीसी टूर मैनेजर

समाचार विशेष

मोदी के झालमुड़ी स्वाद ने कैसे बिगाड़ा हेमंत सोरेन का खेला?

बंगाल में छिड़ गया नया सियासी संग्राम

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की चुनावी सरगर्मियों के बीच झाड़ग्राम की सड़कों से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है. रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी एक बड़ी चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद अचानक सड़क किनारे एक छोटी सी दुकान पर रुक गए.

वहां उन्होंने झालमुड़ी खाई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. जहां भाजपा समर्थक इसे प्रधानमंत्री की सादगी बता रहे हैं, वहीं तृणमूल कांग्रेस ने इसे लेकर एक बहुत ही गंभीर और तीखा आरोप लगा दिया है. टीएमसी का आरोप है कि पीएम के इस ब्रेस के चक्कर में हेमंत सोरेन का हेलिकॉप्टर नहीं उतर पाया और उनको वापस लौटना पड़ा.

बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में माहौल तब पूरी तरह बदल गया जब प्रधानमंत्री का काफिला कॉलेज मोड़ के पास अचानक थम गया. प्रधानमंत्री मोदी वहां एक स्थानीय दुकान पर झालमुड़ी का लुत्फ उठाने के लिए रुके थे. प्रधानमंत्री ने खुद भी इस पल की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बंगाल के इस प्रसिद्ध नाश्ते की तारीफ की.

हेमंत सोरेन को वापस रांची क्यों लौटना पड़ा

तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि प्रधानमंत्री के इस अचानक तय हुए कार्यक्रम की वजह से पूरे इलाके की सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए. पार्टी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री के झालमुड़ी खाने के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन के हेलिकॉप्टर को झाड़ग्राम में लैंडिंग की अनुमति नहीं दी गई. सोरेन दंपति उस समय दांतन और केशियारी में अपनी चुनावी बैठकें निपटाकर झाड़ग्राम पहुंचने वाले थे. अनुमति न मिलने के कारण उन्हें अपनी चुनावी सभा में हिस्सा लिए बिना ही वापस रांची लौटना पड़ा, जिससे विपक्षी खेमे में काफी नाराजगी है.

दीदी बनाम दिल्ली की लड़ाई का चुनाव पर कितना असर?

बंगाल की पहचान या विकास की जंग में किसका पलड़ा भारी?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के सियासी रण में पिछले कुछ वर्षों से एक नैरेटिव सबसे अधिक हावी रहा है-'दीदी बनाम दिल्ली'. यह टकराव केवल दो राजनीतिक दलों के बीच नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय राजनीति की गहरी लड़ाई बन चुका है.

जहां एक ओर ममता बनर्जी खुद को बंगाल की अस्मिता और रक्षक के रूप में पेश करती हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी केंद्र की शक्ति, राष्ट्रीय गौरव और विकास के एजेंडे के साथ उन्हें चुनौती दे रही है. यह नैरेटिव चुनाव की दिशा तय करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. तृणमूल कांग्रेस के लिए यह नैरेटिव एक भावनात्मक और राजनीतिक कवच का काम करता है. ममता बनर्जी ने बहुत ही चतुराई से भाजपा को दिल्ली की पार्टी और बाहरी के रूप में प्रोजेक्ट किया है, जबकि खुद को बंगाल की अपनी बेटी और रक्षक बताया है. इससे पार्टी को एक मजबूत क्षेत्रीय भावनात्मक जुड़ाव मिलता है.

मोदी का चेहरा और 'विकास' की राष्ट्रीय गारंटी

दूसरी तरफ, भाजपा इस नैरेटिव को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के मजबूत केंद्रीय नेतृत्व और विश्वसनीयता का सहारा लेती है. भाजपा की कोशिश चुनाव को पहचान की राजनीति से हटाकर विकास बनाम पहचान के एजेंडे पर लाने की होती है, जिसमें बुनियादी ढांचे, नौकरियों और सुशासन जैसे मुद्दों के जरिए शहरी और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित किया जाता है.

क्या चिरंजीत चक्रवर्ती लगा पाएंगे जीत का चौका

भाजपा के बढ़ते कदम बदल पाएंगे समीकरण?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले का मुख्यालय बारासात, राज्य की उन महत्वपूर्ण विधानसभा सीटों में से एक है जहां का चुनावी इतिहास वामपंथ के उदय और पतन के साथ तृणमूल कांग्रेस की मजबूती की कहानी बयां करता है.

कोलकाता मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के दायरे में आने वाला यह निर्वाचन क्षेत्र 2026 के चुनावों के लिए तैयार है, जहां 29 अप्रैल को मतदान होना है और 4 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे. यह एक सामान्य श्रेणी की सीट है जो बारासात लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है. बारासात विधानसभा सीट का गठन 1951 में हुआ था और तब से यहां के मतदाताओं ने कई विचारधाराओं को सत्ता सौंपी है. ऐतिहासिक रूप से यहां ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (वाम मोर्चा का हिस्सा) का दबदबा रहा है, जिसने यहां 9 बार जीत हासिल की है. हालांकि, 2011 के बाद से यहां की तस्वीर बदल गई है. तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार और प्रसिद्ध अभिनेता चिरंजीत चक्रवर्ती (दीपक चक्रवर्ती) यहां से लगातार तीन बार (2011, 2016, 2021) विधायक चुने जा चुके हैं. 2021 के चुनावों में उन्होंने भाजपा के शंकर चटर्जी को 23,783 वोटों के अंतर से हराया था. भले ही बारासात में टीएमसी का कब्जा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों के चुनावी आंकड़े बताते हैं कि यहां मुकाबला बेहद करीबी होता जा रहा है. संसदीय चुनाव परिणामों के अनुसार, 2014 में जो बढ़त 25,492 वोटों की थी, वह 2019 में घटकर 3,590 और 2024 के लोकसभा चुनाव में महज 3,172 वोट रह गई है.

विशेष | **बंगाल चुनाव के बाद बाकी मंत्रियों की शपथ पर हो सकता है बड़ा इवेंट**

बिहार में बड़ा उत्सव क्यों नहीं हुआ?

पटना. बिहार में या उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में राजनीतिक मामलों में बाल की खाल खूब निकाली जाती है. हर व्यक्ति हर घटनाक्रम की व्याख्या करता है. सो, बिहार में सत्ता परिवर्तन हुआ, 20 साल के बाद नीतीश कुमार की मुख्यमंत्री पद से विदाई हुई और भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बना तो इसकी कई पहलुओं से चर्चा हुई.

मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा के पहले से बिहार भाजपा का एक बड़ा समूह और वैचारिक रूप से

भाजपा व आरएसएस का समर्थन करने वाले पत्रकारों का एक समूह इस प्रचार में लगा था कि कोई संघ और भाजपा का पुराना नेता ही सीएम बने. सम्राट चौधरी के नाम का विरोध किया जा रहा था. जब वे बन गए तो पहले दिन से मीनमेख निकालने का सिलसिला शुरू हुआ है. उसमें सबसे बड़ा सवाल यह उठाया जा रहा है कि बिहार जैसे राज्य में भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बना तो भाजपा ने बहुत बड़ा उत्सव क्यों नहीं किया? पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शपथ समारोह में क्यों नहीं गए? भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों का जमावड़ा पटना में क्यों नहीं हुआ? गांधी मैदान में शपथ क्यों नहीं हुई? सभी मंत्रियों की शपथ क्यों नहीं कराई गई? भारतीय जनता पार्टी ने पहले से इस पूरे घटनाक्रम की हर पहलू पर विचार किया हुआ है. उसको पता है कि यह घटनाक्रम जितना भाजपा का मुख्यमंत्री बनाने का है उससे ज्यादा नीतीश कुमार की विदाई का है.

अब पश्चिम बंगाल की बारी

जब एक बार पूरा मामला ठंडा पड़ जाएगा या सत्ता के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तब भाजपा जश्न मनाएगी. अभी जरूरी था कि पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले बिहार में सरकार बनाने और अपना मुख्यमंत्री बनाने का काम पूरा किया जाए. इसका बंगाल के चुनाव में निश्चित रूप से असर होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में एनडीए के जीतने के बाद कहा था कि गंगाजी बिहार से बंगाल जाती हैं.